सत्यमेव जयते

ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे- 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान- डी ओ टी (020)
6122271 , 6123436
6123680 , 6127545
रेलवे - 5222
5850

छात्रावास- डी ओ टी (020)
6130579 , 6126816
6121669, रेलवे 5896
5897
5898

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल :
mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष- 7 अंक- 25 जनवरी-मार्च 2003

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

(1) इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) का राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार
(2) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 78 वीं बैठक
(3) स्थापना दिवस समारोह
(4) तिमाही में सम्पन्न/जारी पाठ्यक्रम
(5) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
(6) विदाई
(7) स्वागत
(8) आपके पत्र
(9) सृजन

1 इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) का राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार :

पुणे में दिनांक 09 तथा 10 जनवरी 2003 को इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) का राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार सम्पन्न



(चित्र में बाएं से माननीय श्री नीतीश कुमार जी, रेल मंत्री, श्री बी. एस. सुधीर चंद्रा, सदस्य-कार्मिक, रेलवे बोर्ड, श्री एस. पी. एस. जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे, श्री बुध प्रकाश, निदेशक, भा. रे. सि. इं. सं. तथा माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, रेल राज्य मंत्री (बी)

संपादकीय

इस अंक के साथ ही 'ज्ञानदीप' ने छः सफल वर्षों की यात्रा पूरी कर ली है। सातवें वर्ष का यह प्रथम अंक आपके कर कमलों में सुशोभित है। पाठकों से प्राप्त सहयोग के लिए हम आभारी हैं।

रेल प्रणाली के सुगम कार्य संचालन में प्रशिक्षण का महत्व निर्विवाद है। यह बात तय है कि बिना प्रशिक्षण के अपेक्षित सफलता संभव नहीं है। प्रतियोगिता के इस युग में हमें समय-समय पर अपने ज्ञान की पुनश्चर्या करनी है, ताकि हम अपने यात्रियों को पूर्ण संतुष्टि प्रदान कर सके। माननीय रेल मंत्री जी ने संस्थान के अवलोकन के पश्चात प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। दिनांक 1 अप्रैल 2003 से भारतीय रेल प्रणाली पर नई क्षेत्रीय रेलों/मंडलों ने काम करना प्रारंभ कर दिया है, इस परिप्रेक्ष्य में प्रशिक्षण कार्य में तेजी से वृद्धि करनी होगी।

केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण संस्थानों सहित सभी कार्यालयों से अनुरोध है कि वे अपने प्रकाशन नियमित रूप से संस्थान को प्रेषित करें।

भारतीय रेल के गौरवशाली 150 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं।

संरक्षक
बुध प्रकाश
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
रमेश पिंजानी
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक– रेल पथ-2

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
राजेश जायसवाल
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, आर.जे.पाल

हुआ। सेमिनार का विषय था- "मशीन एवं मानवीय अनुरक्षित सेक्शनों में रेल पथ अनुरक्षण पद्धतियों की इष्टता तथा नवीनतम प्रोद्यौगिकी का अंगीकरण"। सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय, पुणे के परिसर में सम्पन्न इस सेमिनार का उद्घाटन माननीय रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार जी द्वारा किया गया। माननीय रेल राज्य मंत्री (बी) श्री बंडारू दत्तात्रेय जी सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री कंवरजीत सिंह, सदस्य इंजीनियरी, श्री बी. एस. सुधीर चंद्रा, सदस्य, कार्मिक, श्री एम. एस. एकबोटे, अपर सदस्य, सिविल इंजी., रेलवे बोर्ड, श्री एस. पी. एस. जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री एस. एम. सिंगला, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे तथा मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त सहित अनेक उच्चाधिकारियों ने सेमिनार में भाग लिया। सेमिनार में लगभग 400 प्रतिनिधि उपस्थित थे तथा तकनीकी प्रदर्शनी में लगभग 30 स्टॉल लगाए गए थे।

माननीय रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने अपने भाषण में कहा कि रेलवे की पुरानी परिसम्पत्तियों को बदलने के लिए रु. 17,000 करोड़ रुपये की एक विशेष सुरक्षा निधि की स्थापना की गई है। हमारा उद्देश्य दुर्घटना रहित रेलवे है। माननीय मंत्री जी ने यह भी बताया कि तीव्र गति की मालगाड़ियां चलाने के लिए स्वर्ण चतुर्भुज मार्ग बनाने हेतु रु. 15,000 करोड़ की लागत की विशेष 'रेल विकास योजना' भी बनाई गई है। इससे रेलवे लाईन की क्षमता का सही उपयोग होगा। उपर्युक्त विशेष निधि के उचित उपयोग की जिम्मेदारी रेलवे के सिविल इंजीनियरों पर है। रेल पथ के अनुरक्षण में निजी कंपनियों की भागीदारी होनी चाहिए। माननीय मंत्री जी ने यह भी सुझाव दिया कि परिसम्पत्तियों के प्रबंधन में लागत का विश्लेषण किया जाना चाहिए, रेलवे इंजीनियरी के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की जाए तथा सेमिनार आदि के माध्यम से अभिनव विचारों एवं तकनीकों को सामने लाया जाए।

माननीय रेल राज्य मंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय जी ने रेल पथ अनुरक्षण के मानकों में उन्नति के लिए रेलवे को सम्पूर्ण समीक्षा करने का सुझाव दिया। सदस्य, इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड श्री के. जे. सिंह ने बताया कि परिसम्पत्तियों की विश्वसनीयता बहुत जरूरी है, इसलिए हमारा लक्ष्य- पहली बार और प्रत्येक बार गुणवत्ता- होना चाहिए।

सदस्य, कार्मिक, रेलवे बोर्ड श्री बी. एस. सुधीर चंद्रा ने कहा कि भारतीय रेल की सबसे बड़ी परिसम्पत्ति उसका मानव संसाधन है, इसलिए उसके उचित विकास पर जोर दिया जाना चाहिए। श्री एस. पी. एस. जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने स्वागत भाषण दिया तथा श्री एम. एस. एकबोटे, अपर सदस्य, सिविल इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड ने आभार प्रदर्शन किया।

यह सेमिनार छः तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया। प्रत्येक सत्र एक विशिष्ट विषय पर केन्द्रित था। सेमिनार के दौरान समसामयिक प्रकृति के विषयों पर कुल 25 तकनीकी पेपर्स प्रस्तुत किए गए। पेपर्स प्रस्तुत करने वाले इंजीनियरों ने रेल पथ अनुरक्षण में इष्टता प्राप्त करने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

दि. 9 जनवरी की शाम को पश्चिम रेलवे की सांस्कृतिक अकादमी के सहयोग से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दि. 10 जनवरी को आई. पी. डब्ल्यु. ई. (आई.) की वार्षिक कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक के दौरान रेलवे की उन्नति के लिए प्रतिभागियों से चार सुझाव मांगे गए थे तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हे रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधियों को सौप दिया गया। बैठक के दौरान, पिछले सेमिनार में सर्वोत्कृष्ट तकनीकी पेपर प्रस्तुत करने वाले श्री आर. के. गोयल को 'के. सी. सूद स्मृति पुरस्कार' दिया गया। आई. पी. डब्ल्यु. ई. (आई.) के रेलवे इंजीनियरी डिप्लोमा कोर्स में प्रथम स्थान पाने वाले श्री एच.के.सिंह को 'वी.सी.ए. पद्मनाभन स्मृति पुरस्कार' दिया गया।

इसके अलावा सर्वोत्कृष्ट स्टॉलों के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए गए। दक्षिण पूर्व रेलवे को रेल स्टॉलों के बीच सर्वोत्कृष्ट स्टॉल का पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा गैर रेलवे संवर्ग में बीना मेटल वे लिमिटेड को सर्वोत्कृष्ट स्टॉल का पुरस्कार प्राप्त हुआ। कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड को अपने स्टॉल के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। अंत में, संस्थान के निदेशक ने सेमिनार का सारांश तथा अनुशंसाएं प्रस्तुत की।

इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के तत्वावधान में आई. पी. डब्ल्यु. ई. (आई.) इरिसेन केन्द्र में आयोजित यह सेमिनार अत्यन्त सफल तथा उपयोगी रहा।



(चित्र में बाएं से श्री सूर्यपाल सिंह जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे, माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, रेल राज्य मंत्री (बी), माननीय श्री नीतीश कुमार जी, रेल मंत्री, श्री कंवरजीत सिंह, सदस्य-इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड तथा श्री बुध प्रकाश, निदेशक, भा. रे. सि. इं. सं., पुणे सेमिनार के दौरान)

माननीय रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने दि. 9 जनवरी 2003 को संस्थान का अवलोकन किया। आप संस्थान में उपलब्ध सुविधाएं देखकर अत्यन्त प्रसन्न हुए, जैसा कि अतिथि पुस्तिका में आपके द्वारा दी गई निम्नलिखित टिप्पणी से परिलक्षित है :

"भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। विशाल रेल नेटवर्क का निर्माण तथा उनके रखरखाव में सिविल इंजीनियरों के दायित्व का जितना महत्व है, उसमें उनकी ट्रेनिंग की गुणवत्ता बहुत आवश्यक है। इस क्षेत्र में इस संस्थान ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बखूबी किया है।

मेरी समस्त शुभकामनायें,"

माननीय रेल राज्यमंत्री श्री बंडारू दत्तात्रेय जी ने भी दि. 9 जनवरी 2003 को संस्थान का अवलोकन किया तथा अतिथि पुस्तिका में निम्नानुसार टिप्पणी दी :

"इरिसेन, सिविल इंजीनियरों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है, जिसका उत्कृष्ट इतिहास है, संरक्षा मामलों में अधिक अभिनव परिवर्तनों की आवश्यकता है। प्रगति की कामना सहित।"

2 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 78 वीं बैठक :

दि. 15-01-2003 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 78 वीं बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें दि. 31-12-2002 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के पदेन अध्यक्ष श्री बुध प्रकाश ने की। बैठक में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रमेश पिंजानी के अलावा मध्य रेलवे के मुंबई मंडल की राजभाषा अधिकारी श्रीमती ऊर्मिला देव भी उपस्थित थी। इस कागज रहित बैठक की सम्पूर्ण कार्यवाही का संचालन कंप्यूटर के माध्यम से किया गया। बैठक के अवसर पर पुस्तकालय में खरीदी जा रही हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

3 स्थापना दिवस समारोह :



(चित्र में बाएं से डॉ. एम. मणि, पूर्व मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त, श्री आर. के. सिंह, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे तथा श्री बुध प्रकाश, संस्थान के निदेशक)

संस्थान ने दि. 21 मार्च 2003 को अपना 45 वां स्थापना दिवस मनाया। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर. के. सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे एवं पूर्व मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त डॉ. एम. मणि ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मध्य रेलवे के पुणे मंडल की सांस्कृतिक अकादमी की सहायता से दि. 20 मार्च को सायंकाल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के एक भाग के रूप में "रेल पथ अनुरक्षण एवं निर्माण के लिए रेलवे इंजीनियरी में संसाधनों का प्रबंधन" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 1976 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारियों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के कर कमलों से उत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल तथा ट्राफियां भी प्रदान की गई।

दि. 20 मार्च को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने बहुत सराहना की तथा दि. 21 मार्च को स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

समारोह का संचालन संस्थान के प्राध्यापक– रेलपथ- 1 श्री सुधीर जैन ने अंग्रेजी में तथा श्रीमती मोना श्रीवास्तव (भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा, 1998 परीक्षा समूह की भारतीय रेल के इतिहास में प्रथम महिला इंजीनियर, जो वर्तमान में सहायक मंडल इंजीनियर, उत्तर रेलवे, दिल्ली के रूप में कार्यरत हैं) ने हिंदी में किया।



(चित्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम का एक दृश्य)

4 तिमाही में संपन्न/जारी पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधिकारी
	से	तक			
301	16-12-02	14-02-03	भा. रे. इं. से. (परि.), 2001 परीक्षा (समूह-1) का चरण- 1 पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	22
302	16-12-02	14-02-03	भा. रे. इं. से. (परि.), 2001 परीक्षा (समूह-2) का चरण- 1 पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	23
311	13-01-03	28-03-03	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेल पथ- 1	18
321	17-02-03	14-03-03	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल	12
381	18-02-03	20-02-03	भारतीय रेल भंडार सेवा के परिवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर्स	11
341	24-02-03	28-02-03	लंबी झलाईकृत रेलों तथा कंकीट स्लीपर रेल पथ के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेल पथ- 2	16
391	20-03-03	21-03-03	1976 बैच के भा. रे. इं. से. के अधिकारियों के लिए स्थापना दिवस पर सेमिनार	संकाय अध्यक्ष	06
331	24-03-03	28-03-03	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	संकाय अध्यक्ष	06

5 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	अधिकारियोंका कोटि
	से	तक		
371	19-05-03	30-05-03	प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (रेल पथ मॉड्यूल) पर विशेष पाठ्यक्रम	क्षे. प्र. के. के प्रशिक्षक
361	26-05-03	06-06-03	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	सार्व. क्षेत्र के उपक्रम
304	02-06-03	20-06-03	वर्ष 2001 परीक्षा के भा. रे. इं. से. (परि.) का कंप्यूटर पाठ्यक्रम (समूह- 2)	भा. रे. इं. से. (परि.)
382	09-06-03	11-06-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. वि. इं. से. (परि.)
388	16-06-03	18-06-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. वि. इं. से. (परि.)
394	19-06-03	20-06-03	प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार	व. प्र. श्रे.
305	23-06-03	08-08-03	वर्ष 2001 परीक्षा के भा. रे. इं. से. (परि.) का चरण- 2 पाठ्यक्रम (समूह- 1)	भा. रे. इं. से. (परि.)
306	23-06-03	08-08-03	वर्ष 2001 परीक्षा के भा. रे. इं. से. (परि.) का चरण- 2 पाठ्यक्रम (समूह- 2)	भा. रे. इं. से. (परि.)
308	07-07-03	18-07-03	वर्ष 2000 परीक्षा के भा. रे. इं. से. (परि.) की तैनाती परीक्षा (समूह- 2)	भा. रे. इं. से. (परि.)
313	04-08-03	17-10-03	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख'
324	11-08-03	26-09-03	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	चयन श्रेणी, क. प्र. श्रे.
372	18-08-03	05-09-03	अभिकल्प सहायकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	सहा. पुल. इंजी., अभि. सहा.
384	26-08-03	28-08-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. लेखा. से. (परि.)

6 विदाई :



(डॉ शैलेशकुमार सिन्हा)

1986 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा ने दिनांक 28-12-1998 को संस्थान में प्राध्यापक का पदभार ग्रहण किया था। चयन श्रेणी में प्राध्यापक (प्रशिक्षण) के रूप में कार्यरत डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा दिनांक 21-02-2003 को संस्थान से स्थानांतरित होकर वर्तमान में उप मुख्य इंजीनियर (रेल पथ आधुनिकीकरण), पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट, मुम्बई के रूप में कार्यरत है। संस्थान आपले उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

7 स्वागत :



(श्री ए. के. राय)

1986 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री ए. के. राय ने दक्षिण पूर्व रेलवे के खुर्दा रोड में सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। आपने दक्षिण पूर्व रेलवे पर सहायक इंजीनियर, वरिष्ठ सहायक इंजीनियर, ब्रह्मपुर, मंडल इंजीनियर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, आद्रा, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), रांची, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), भुवनेश्वर के सचिव,उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), भुवनेश्वर तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय), सम्बलपुर के रूप में अब तक कार्य किया है।

आपने दि. 26-02-2003 को संस्थान में प्राध्यापक (कार्य) चयन श्रेणी का पदभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

8 आपके पत्र :

आपके संस्थान द्वारा 'ज्ञानदीप' त्रैमासिक पत्रिका हमें नियमित रूप से प्राप्त हो रही है। आपके संस्थान के अलावा बाहर भी राजभाषा के प्रचार-प्रसार में इस पत्रिका का सराहनीय योगदान है। इसका आकार छोटा होते हुए भी यह अपने उद्देश्य में सफल रही है।

आपका संस्थान राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के क्षेत्र में भी उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। हिंदी में वेतन पर्ची तैयार करना तथा कंप्यूटर पर 'हिंदी हेल्प' नामक फोल्डर बनाना इस तथ्य के प्रमाण हैं कि संस्थान में राजभाषा के उन्नयन की दिशा में सम्यक ध्यान दिया जाता है।

- डॉ. रमाशंकर व्यास,
सचिव- पुणे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पुणे
वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे- 411008

9 सृजन (कविता) :

-प्रशिक्षण-

प्रशिक्षण से पाए योग्यता,
योग्यता से विश्वास ।
विश्वास से कार्यकुशलता,
ताकि हो रेलवे का विकास ।।

प्रशिक्षित कर्मचारी रेल की पूंजी,
रेल व देश के विकास की कुंजी ।
अच्छा प्रशिक्षण, अच्छा विकास,
सभी करते प्रशिक्षण केन्द्र से आस ।।

– घनश्याम विजय,
प्रशिक्षक,
मंडल रेल पथ प्रशिक्षण केन्द्र,
उत्तर-पश्चिम रेलवे, जयपुर

रमेश पिंजानी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेल पथ-2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स एच. एम. टाइपसेटर्स, सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4472844 द्वारा मुद्रित.